शब्द निर्माण – उपसर्ग

शब्द निर्माण – उपसर्ग

जो शब्दाशों से पहले जुड़कर उनके अर्थ बदल देते हैं, वे **उपसर्ग** कहलाते हैं। हर भाषा में अधिकतर शब्द अपने मूल रूप में ही प्रयुक्त होते हैं। लेकिन कुछ शब्द ऐसे हैं जिनके आगे या पीछे कुछ शब्दांश लगाए जाते हैं और उनसे नए शब्द बन जाते हैं। इस प्रकार के शब्दों को यौगिक शब्द कहते हैं। शब्द के आगे जो शब्दांश लगता है उसे उपसर्ग कहते हैं और जो पीछे लगते हैं वे **प्रत्यय** कहलाते हैं।

उपसर्ग	अर्थ	शब्द
अ	अभाव	अजर, अमर, अप्रसन्न
अन	रहित	अनबन, अनजान, अनमोल
अध	आधा	अधमरा, अधपका, अधखिला
औ	रहित	औगुण, औतार, औघट
कु	बुरा	कुपुत्र, कुकर्म, कुचाल
स	साथ	सरस, सबल, सशक्त
नि	रहित	निडर, निहत्था, निठल्ला
भर	पूरा	भरपूर, भरपेट, भरकर
पर	दूसरी पीढ़ी का	परदादा, परपोता, परनाना
उन	एक कम	उनतीस, उनसठ, उनतालीस

प्रत्यय

जो शब्दांश शब्दों के अंत में जुड़कर उनके अर्थ को बदल देते हैं, वे **प्रत्यय** कहलाते हैं। कुछ शब्दों के पीछे शब्दांश लगाकर नए शब्द बनाए जाते हैं। इससे शब्द के अर्थ में परिवर्तन हो जाता है। शब्दों के पीछे शब्दांश जोड़कर नए शब्द बने, ये सभी **शब्दांश प्रत्यय** कहलाते हैं।

प्रत्यय	शब्द	प्रत्यय शब्द
ऊ	चाल, डाक	चालू, डाकू
आका	उड़, लड़	उड़ाका, लड़ाका
वैया	गा, खा	गवैया, खवैया
आलु	कृपा, दया	कृपालु, दयालु
आई	लड़, सुन, पढ़	लड़ाई, सुनाई, पढ़ाई
आन	लग, चढ़	लगान, चढ़ान
आव	चढ़, बह, फैल	चढ़ाव, बहाव, फैलाव
ना	खा, गँवा	खाना, गँवाना
नी	ओढ़, चट	ओढ़नी, चटनी
ई	बोल, हँस	बोली, हँसी
ता	डूब, बह, चल	डूबता, बहता, चलता